राग - पटदीप

थाट - काफी या संकिर्ण
वादी - पंचम (प)
संवादी - षड्ज (सा
वर्ज्य - रे, ध आरोह में
प्रकृति - शांत, श्रृंगार

समय - दिन का तीसरा प्रहर या सायंकाल
जाति - ओडव - संपूर्ण
विकृत - ग कोमल

आरोह - नी़ सा ग म प नी सां
अवरोह - सां नी ध प म ग रे सा नी़ नी़ सा
पकड़ - ग म प नी ध प

शास्त्रीय जानकारी :→ इस राग का कोई थाट निश्चित नही होने के कारण इसे संकिर्ण जाति में रखा गया है. आ काफी का अपवादरूप भी मानते है। आधुनिक समय में इस राग का ठीक-ठीक प्रचार हुआ है। इसका चलन भीमपलासी के जैसा है। परंतु शुद्ध निषाद के प्रयोग के कारण भीमपलासी से अलग कर सकते है। यह एक उत्तरांगवादी राग है।

सरगम - गीत ताल - द्रुत एकताल

पनी सांनी	ध प	म प	ग मग	रे सा	- सा
म -	ग प	- म	ग म	प नी	- नी
सां गं	रें सां	नी नी	सां ध	- प	म प
x	0	2	0	3	4
		अंतरा			
प -	प ग	म प	प नी	नी सां	- सां
पनी सांरें	सां सां	पध पम	प प	गम गरे	सा सा
सांरें नीसा	म म	गम गम	प प	पनी पनी	सां सां
x	0	2	0	3	4
धीं धीं	धा त्रक	तुं ना	कत ता	धा त्रक	धीं ना

छोटा ख्याल — पटदीप (स्थायी)

ताल - त्रिताल

स्थाई - मैं तोरे संग ना जाऊँ, थीट लंगरवा |

			प मैं
म प ग म	प - नी -	- - थनी सांनी	ध प - प
तो रे सं ग	ना - - -	- - जा- --	ऊँ - - पि
म प ग सा	ग म प नी	सांरें सांनी ध प	ध म प प
य र वा -	थी - ट लं	ग- र- वा -	- - - मैं

आलाप :→

(1) प - - -	ग - - -	सा ग म ग	रे - सा -
(2) सा ग म प	गम प - ध	म प ग -	रे - सा -
(3) ग म प नी	ध - प -	मप धप ग म	प - - -
(4) { प म ग म	प नी - -	सां - - -	नी - नी सां
{ ध - प -	गम पसां - -	ध प ग -	रे - सा -

बोलतान :→

(1) नी सा म म	प - ग म	पनी सांरें सांनी धप	मग मग रे सा
मैं - तो रे	सं - ग ना	जा- -- -- --	ऊँ- -- - -
(2) साग मप गम प	पनी सांरें सांनी सां	सांरें सांनी सांनी धप	मग मग रे सा
मैं - -- तो- रे	संग -- ग- ना	जा- -- -- --	ऊँ- -- - -
3	X धा धीं धीं धा	2 धा धीं धीं धा	0 धा तीं तीं ता
ता धीं धीं धा			

छोटा ख्याल — पटदीप (अंतरा) — ताल - त्रिताल

अंतरा → हमरी तुम संग नाही बनेरी,
रात रहे तुम सौतन ढींगवा

- ग॒म प नी	सां सां सां सां	- पनी -सां सां	रें - सां -
- हम री तु	म सं ग -	ना -ही -ब ने	री - - -
-- नी -नी सां	ध प म प	ग॒म पसां - ध	प ग॒ म म
- रा -त र	हे - तु म	सौ- -- - -	त न ढीं ग
ग॒ रे सा प	म प ग॒ म	प - नी -	-- धनी सांनी
वा - - मैं	तो रे सं ग	ना - - -	-- जा- --

अंतरे के आलाप -

1)	ग॒म पनी सां -	- - नी सां	ध प म प	नी - सां -
2)	सांनी धप मप ग॒म	पनी - - -	सां - पनी सांरें	सां - - -
3)	प नी सां ग॒	रें - सां -	सांरें सांनी सांनी धप	मप नी सां -

तानें -

1)	नीसा ग॒म पम ग॒म	पनी सांनी धप मप	नीनी धप मप धप	ग॒ मग॒ रे सा
2)	ग॒म पनी सांग॒ रेंसां	नीसां रेंरें सांनी धप	मग॒ रेसा नीसा ग॒म	पनी सांनी ध प
3)	साग॒ मग॒ रेसा नीसा	पनी सांनी धप मप	सांसां मग॒ग॒ रेंसां नीसां	रेंरें सांनी ध प
	०	3	×	2

स्वर-विस्तार — (1) सा - - - , रेसानी पनीसाग॒, साग॒मग॒रेसा।
(2) नीसाग॒मप, मपग॒म, ग॒मप, धमप, ग॒ साग॒, मग॒रेसा।
(3) ग॒मपनी - - - धप, मपनीधप, मम ग॒, साग॒मप,
पनीसांनी धप, धपधमप, मपनीधप ग॒ मग॒रेसा।

परदीप - ध्रुपद ताल - चौताल

स्थाई - माधव मन मोहन तुम, भक्तन धन नंदनंदन,
गोकुल जन के प्राण, अखिल जगत कर पालन।

अंतरा - भार धरनी हरन करन, संतन चित करत भुवन,
देवकी परमा वसुदेव सुवन, कंस गरव नीर डालन॥

नी -	नी सां	ध प	ग म	ग रे	सा सा
मा -	ध व	म न	मो ह -	ह न	तु म
नी -	नी नी	सा सा	ग म	ग रे	सा सा
भं -	क्त न	ध न	न -	द न	द न
म -	म ग	प म	प नी	सां ध	प म
गो -	कु ल	ज न	के -	- प्रा	- ण
प नी	सां गं	रें सां	नी सां	धनी सांनी	धप मप
अ खि	ल ज	ग त	क र	पा - -	ल - न -
अंतरा > प -	म प	ग म	प नी	नी सां	सां सां
भा -	र ध	र नी	ह र	न क	र न
नी -	सां गं	रें सां	नी नी	सां ध	म प
सं -	त न	चि त	क र	त भु	व न
नी सां	ध प	म प	ग म	ग रे	सा सा
दे -	व की	व सु	दे -	व सु	व न
नी -	सा ग	म प	नी नी	धनी सांनी	धप मप
कं -	स ग	र व	नी र	डा - -	ल - न -
X	0	2	0	3	4
धा धा	दीं ता	किट धा	दीं ता	किट तक	गदी गन